समकालीन विश्व में सुरक्षा

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» सुरक्षा क्या है? (बुनियादी अर्थ और केन्द्रीय मूल्य)

प्रश्न 1 (आसान). सुरक्षा का बुनियादी अर्थ क्या है?
उत्तर – खतरे से आज़ादी।

प्रश्न 2 (आसान). क्या हर खतरे को सुरक्षा पर खतरा माना जा सकता है? हाँ या नहीं?
उत्तर – नहीं।

प्रश्न 3 (मध्यम). 'केन्द्रीय मूल्य' किसे कहते हैं? एक उदाहरण दो।
उत्तर – केन्द्रीय मूल्य वे चीजें हैं जो किसी व्यक्ति या देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण होती हैं, जिनके बिना उसका अस्तित्व खतरे में पड़ जाए। जैसे किसी देश की आज़ादी या उसकी संप्रभुता।

प्रश्न 4 (कठिन). अगर किसी देश के नेता अपनी मर्जी से नागरिकों के 'केन्द्रीय मूल्य' तय करें और नागरिकों की राय न लें, तो क्या यह एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया होगी? अपने जवाब का कारण बताओ।
उत्तर – नहीं, यह एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया नहीं होगी। लोकतंत्र में नागरिकों की सुरक्षा और उनके केन्द्रीय मूल्य क्या हैं, यह तय करने में उनकी भागीदारी बहुत ज़रूरी है। सरकार को नागरिकों की राय, उनकी ज़रूरतों और उनकी चिंताओं को समझना चाहिए और उन्हीं के आधार पर सुरक्षा नीतियों को आकार देना चाहिए। केवल कुछ नेताओं या विशेषज्ञों द्वारा तय किए गए मूल्य पूरी आबादी का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकते।

» सुरक्षा की पारंपरिक धारणा: बाहरी सुरक्षा

प्रश्न 5 (आसान). सुरक्षा की पारंपरिक धारणा में सबसे बड़ा खतरा किससे माना जाता है?
उत्तर – सैन्य खतरा, जो किसी दूसरे मुल्क से आता है.

प्रश्न 6 (आसान). युद्ध की स्थिति में सरकार का 'आत्मसमर्पण' विकल्प क्या होता है?
उत्तर – बिना युद्ध किए दूसरे पक्ष की बात मान लेना.

प्रश्न 7 (मध्यम). 'अपरोध' (deterrence) से क्या अभिप्राय है और इसका उद्देश्य क्या है?
उत्तर – 'अपरोध' का मतलब है युद्ध से होने वाले विनाश को इतना बढ़ाने के संकेत देना कि दूसरा पक्ष हमला करने से डर जाए. इसका उद्देश्य युद्ध को होने से रोकना है.

प्रश्न 8 (कठिन). बाहरी सुरक्षा के संदर्भ में, किसी देश की 'संप्रभुता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय अखंडता' पर खतरा क्यों उत्पन्न होता है?
उत्तर – जब कोई बाहरी मुल्क सैन्य हमला करता है, तो वह देश की संप्रभुता (स्वतंत्र निर्णय लेने की शक्ति), स्वतंत्रता (आज़ादी), और क्षेत्रीय अखंडता (देश की सीमाओं और ज़मीन का पूरा होना) को चुनौती देता है, जिससे ये सभी खतरे में पड़ जाते हैं.

» पारंपरिक सुरक्षा के तरीके: शक्ति-संतुलन और गठबंधन

प्रश्न 9 (आसान). शक्ति-संतुलन में किन शक्तियों को शामिल किया जाता है?
उत्तर – सैन्य, आर्थिक और प्रौद्योगिकी ताकत।

प्रश्न 10 (आसान). गठबंधन क्यों बनाए जाते हैं?
उत्तर – सैन्य हमले को रोकने या उससे रक्षा करने के लिए।

प्रश्न 11 (मध्यम). अगर किसी देश के राष्ट्रीय हित बदल जाते हैं, तो गठबंधन पर क्या असर पड़ता है?
उत्तर – राष्ट्रीय हित बदलने पर गठबंधन भी बदल जाते हैं।

प्रश्न 12 (कठिन). क्या शक्ति-संतुलन सिर्फ पड़ोसी देशों के लिए ही ज़रूरी है? समझाओ।
उत्तर – नहीं, शक्ति-संतुलन सिर्फ पड़ोसी देशों के लिए ही नहीं, बल्कि किसी भी ऐसे देश के लिए ज़रूरी है जिससे भविष्य में खतरा महसूस हो सकता है। सरकारें लगातार दूसरे देशों की ताकत पर नज़र रखती हैं, चाहे वे पड़ोसी हों या नहीं, ताकि कोई भी देश इतना ताकतवर न हो जाए कि वह किसी पर भी हमला कर सके। खासकर, उन देशों के साथ शक्ति-संतुलन पर ज़्यादा ज़ोर दिया जाता है जिनके साथ अनबन रही हो या अतीत में लड़ाई हुई हो।

» सुरक्षा की पारंपरिक धारणा: आंतरिक सुरक्षा

प्रश्न 13 (आसान). सुरक्षा की पारंपरिक धारणा में 'आंतरिक सुरक्षा' का क्या अर्थ है?
उत्तर – इसका अर्थ है देश के भीतर शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना।

प्रश्न 14 (आसान). दूसरे विश्व युद्ध के बाद कौन से देशों को आंतरिक सुरक्षा की बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा?
उत्तर – नव-स्वतंत्र देशों को।

प्रश्न 15 (मध्यम). नव-स्वतंत्र देश अपनी आंतरिक सुरक्षा को लेकर चिंतित क्यों थे, जबकि यूरोपीय देश बाहरी खतरों पर ज़्यादा ध्यान दे रहे थे?
उत्तर – क्योंकि नव-स्वतंत्र देशों में अलगाववादी आंदोलन, सीमा विवाद और अंदरूनी संघर्ष का खतरा ज़्यादा था, जबकि शक्तिशाली यूरोपीय देश अपनी आंतरिक व्यवस्था को लेकर आश्वस्त थे।

प्रश्न 16 (कठिन). आपकी राय में, क्या किसी देश की आंतरिक सुरक्षा को बाहरी सुरक्षा से अलग करके देखा जा सकता है? उदाहरण देकर समझाएँ।
उत्तर – नहीं, ये दोनों आपस में जुड़े हुए हैं। अगर कोई देश अंदर से अस्थिर है, तो वह बाहरी खतरों का सामना प्रभावी ढंग से नहीं कर पाएगा, और बाहरी हस्तक्षेप आंतरिक समस्याओं को और बढ़ा सकता है। जैसे, अगर किसी देश में गृह-युद्ध चल रहा हो, तो कोई बाहरी शक्ति उस स्थिति का फायदा उठा सकती है।

» पारंपरिक सुरक्षा के तरीके: निरस्त्रीकरण, अस्त्र-नियंत्रण और विश्वास बहाली

प्रश्न 17 (आसान). कौन सा तरीका हथियारों की संख्या कम करने से जुड़ा है?
उत्तर – निरस्त्रीकरण

प्रश्न 18 (आसान). NPT किस प्रकार की संधि का उदाहरण है?
उत्तर – अस्त्र-नियंत्रण संधि

प्रश्न 19 (मध्यम). जब देश एक-दूसरे के सैन्य अभ्यासों की जानकारी साझा करते हैं, तो यह किस श्रेणी में आता है?
उत्तर – विश्वास बहाली

प्रश्न 20 (कठिन). क्या निरस्त्रीकरण और अस्त्र-नियंत्रण हमेशा एक ही बात होती है? अपने जवाब का कारण बताओ।
उत्तर – नहीं, ये एक ही बात नहीं हैं। निरस्त्रीकरण का मतलब है हथियारों को पूरी तरह खत्म करना या उनकी संख्या को बहुत ज़्यादा कम करना। जबकि अस्त्र-नियंत्रण का मतलब है हथियारों के उत्पादन, प्रसार या उपयोग को नियंत्रित करने के लिए नियम और समझौते बनाना। अस्त्र-नियंत्रण में हथियार मौजूद रहते हैं, लेकिन उनके दायरे को सीमित किया जाता है।

» सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा: मानवता की सुरक्षा और विश्व-रक्षा

प्रश्न 21 (आसान). सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा में 'किसकी' सुरक्षा पर अधिक जोर दिया जाता है?
उत्तर – व्यक्ति, समुदाय और मानवता की सुरक्षा पर।

प्रश्न 22 (आसान). अपारंपरिक सुरक्षा का दूसरा नाम क्या है?
उत्तर – मानवता की सुरक्षा या विश्व-रक्षा।

प्रश्न 23 (मध्यम). पारंपरिक सुरक्षा से यह किस प्रकार भिन्न है?
उत्तर – पारंपरिक सुरक्षा मुख्य रूप से राज्य और उसकी सीमाओं की सैन्य खतरों से रक्षा पर केंद्रित है, जबकि अपारंपरिक सुरक्षा व्यक्तियों और समुदायों को सैन्य और गैर-सैन्य दोनों प्रकार के व्यापक खतरों से बचाती है।

प्रश्न 24 (कठिन). मानवता की सुरक्षा के संकीर्ण और व्यापक अर्थ में क्या अंतर है?
उत्तर – मानवता की सुरक्षा के संकीर्ण अर्थ में व्यक्तियों को केवल हिंसक खतरों (जैसे युद्ध, खून-खराबा) से बचाना शामिल है, जबकि व्यापक अर्थ में अकाल, महामारी, प्राकृतिक आपदाएँ, गरीबी और मानवाधिकारों का उल्लंघन जैसे सभी गैर-सैन्य खतरे भी शामिल होते हैं, जिसका अंतिम लक्ष्य 'भय से मुक्ति' और 'अभाव से मुक्ति' है।

» अपारंपरिक सुरक्षा के खतरे: आतंकवाद और मानवाधिकार

प्रश्न 25 (आसान). आतंकवाद में मुख्य रूप से कौन से लोग निशाने पर होते हैं?
उत्तर – आम नागरिक

प्रश्न 26 (आसान). क्या आतंकवाद सिर्फ एक देश तक सीमित खतरा है?
उत्तर – नहीं, यह एक वैश्विक खतरा है।

प्रश्न 27 (मध्यम). आतंकवादी संगठन आमतौर पर किस चीज़ का इस्तेमाल करके अपनी बात मनवाने की कोशिश करते हैं?
उत्तर – हिंसा और डर का।

प्रश्न 28 (कठिन). आतंकवाद को पारंपरिक सुरक्षा खतरे से कैसे अलग किया जा सकता है?
उत्तर – पारंपरिक खतरा मुख्य रूप से देशों के बीच युद्ध से जुड़ा होता है, जबकि आतंकवाद नागरिकों को निशाना बनाता है और इसके पीछे कोई राज्य या सेना नहीं होती, बल्कि गैर-राज्यकर्ता समूह होते हैं।

» अपारंपरिक सुरक्षा के खतरे: वैश्विक निर्धनता, प्रवास और महामारियाँ

प्रश्न 29 (आसान). महामारियाँ अपारंपरिक सुरक्षा के खतरों में क्यों शामिल हैं?
उत्तर – क्योंकि महामारियाँ किसी एक देश की सीमा तक सीमित नहीं रहतीं, वे तेजी से फैलकर दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं।

प्रश्न 30 (आसान). प्रवास का मतलब क्या है?
उत्तर – प्रवास का मतलब है जब लोग एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं, अक्सर बेहतर जीवन या सुरक्षा की तलाश में, चाहे वह अपने ही देश में हो या दूसरे देश में।

प्रश्न 31 (मध्यम). वैश्विक निर्धनता और प्रवास के बीच क्या संबंध है?
उत्तर – वैश्विक निर्धनता अक्सर प्रवास का एक बड़ा कारण बनती है, क्योंकि गरीब लोग बेहतर आर्थिक अवसरों और जीवन स्तर की तलाश में अपने देश या क्षेत्र को छोड़कर दूसरे स्थानों पर जाते हैं।

प्रश्न 32 (कठिन). आप कैसे कहेंगे कि 'आंतरिक रूप से विस्थापित जन' (internally displaced persons) भी सुरक्षा के लिए खतरा बन सकते हैं, भले ही वे अपना देश न छोड़ें?
उत्तर – आंतरिक रूप से विस्थापित जन वे होते हैं जो अपने ही देश की सीमाओं के भीतर अपना घर छोड़ देते हैं, अक्सर संघर्ष या आपदाओं के कारण। ये लोग अपने देश के भीतर ही संसाधनों पर दबाव डालते हैं, जिससे स्थानीय आबादी के साथ तनाव बढ़ सकता है, और बड़ी संख्या में होने पर यह सरकार के लिए भी एक बड़ी मानवीय और सुरक्षा चुनौती बन जाती है।

» सहयोगमूलक सुरक्षा

प्रश्न 33 (आसान). सहयोगमूलक सुरक्षा में मुख्य रूप से कौन से खतरों से निपटा जाता है?
उत्तर – अपारंपरिक खतरों जैसे आतंकवाद, महामारियाँ।

प्रश्न 34 (आसान). क्या सहयोगमूलक सुरक्षा में सिर्फ एक देश ही शामिल होता है?
उत्तर – नहीं, इसमें कई देश और अंतर्राष्ट्रीय संगठन शामिल होते हैं।

प्रश्न 35 (मध्यम). 'सहयोगमूलक सुरक्षा' में 'सामूहिक बल-प्रयोग' का क्या अर्थ है?
उत्तर – इसका अर्थ है कि जब बाकी सारे उपाय काम न करें, तो सभी देश मिलकर सैनिक बल का प्रयोग कर सकते हैं।

प्रश्न 36 (कठिन). जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सहयोगमूलक सुरक्षा कैसे मददगार हो सकती है?
उत्तर – जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक खतरा है। सहयोगमूलक सुरक्षा के तहत सभी देश मिलकर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने के लक्ष्य तय करेंगे, नई तकनीक साझा करेंगे और विकासशील देशों को अनुकूलन के लिए आर्थिक सहायता देंगे।

» भारत की सुरक्षा रणनीतियाँ

प्रश्न 37 (आसान). भारत ने अपनी सैन्य क्षमता क्यों मजबूत की है?
उत्तर – पड़ोसी देशों से हमलों के कारण, जैसे पाकिस्तान और चीन से।

प्रश्न 38 (आसान). भारत की सुरक्षा नीति का पहला घटक क्या है?
उत्तर – सैन्य क्षमता को मजबूत करना।

प्रश्न 39 (मध्यम). गुटनिरपेक्षता की नीति भारत की किस सुरक्षा रणनीति का हिस्सा थी?
उत्तर – अंतर्राष्ट्रीय कायदों और संस्थाओं को मजबूत करने की रणनीति का, जिसमें भारत ने बड़ी शक्तियों के खेमों से अलग रहकर विश्व शांति का विकल्प प्रस्तुत किया।

प्रश्न 40 (कठिन). भारत की सुरक्षा नीति का आर्थिक विकास वाला घटक आंतरिक सुरक्षा से कैसे जुड़ा है?
उत्तर – आर्थिक विकास से गरीबी और असमानता कम होती है, जिससे लोगों में असंतोष कम होता है और अलगाववादी या चरमपंथी गतिविधियों में शामिल होने की संभावना भी घटती है। इस प्रकार, आर्थिक विकास आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करता है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लीजिए आपके गांव में चोरी की छोटी-मोटी घटनाएं होती रहती हैं और पास के शहर में किसी आतंकवादी संगठन ने बम धमाके की धमकी दी है। इनमें से कौन सी घटना 'सुरक्षा के बुनियादी अर्थ' के हिसाब से एक 'गंभीर खतरा' मानी जाएगी, और क्यों?

› पहला कदम: हमें समझना होगा कि 'सुरक्षा' सिर्फ 'गंभीर खतरों' से जुड़ी है, न कि हर छोटे-मोटे खतरे से।

› दूसरा कदम: हमें यह भी देखना होगा कि किस खतरे से हमारे 'केन्द्रीय मूल्यों' (जैसे जीवन, आज़ादी, अस्तित्व) को अपूरणीय क्षति पहुँच सकती है।

› तीसरा कदम: गाँव में छोटी-मोटी चोरी की घटनाएँ परेशान करने वाली हैं, लेकिन ये गाँव के 'अस्तित्व' या 'केन्द्रीय मूल्यों' को पूरी तरह से खत्म नहीं कर देतीं। इन्हें कानून-व्यवस्था की समस्या माना जाएगा।

› चौथा कदम: शहर में आतंकवादी संगठन द्वारा बम धमाके की धमकी से बड़े पैमाने पर लोगों के जीवन को खतरा है, जिससे पूरे समाज और देश के केन्द्रीय मूल्यों, जैसे शांति और सुरक्षा को गंभीर हानि पहुँच सकती है।

› पांचवां कदम: इसीलिए, बम धमाके की धमकी 'सुरक्षा के बुनियादी अर्थ' के हिसाब से एक 'गंभीर खतरा' है।

उत्तर – शहर में आतंकवादी संगठन द्वारा बम धमाके की धमकी 'सुरक्षा के बुनियादी अर्थ' के हिसाब से एक 'गंभीर खतरा' मानी जाएगी, क्योंकि इससे लोगों के जीवन और देश के शांति जैसे केन्द्रीय मूल्यों को अपूरणीय क्षति पहुँच सकती है। गाँव में चोरी की घटनाएँ कानून-व्यवस्था की समस्या हैं, न कि सुरक्षा का गंभीर खतरा।

उदाहरण 2. मान लीजिए एक देश 'अ' अपनी सेना को मज़बूत कर रहा है, जिससे पड़ोसी देश 'ब' को खतरा महसूस हो रहा है. ऐसी स्थिति में देश 'ब' की सरकार के पास 'बाहरी सुरक्षा' की पारंपरिक धारणा के तहत क्या विकल्प होंगे?

› सबसे पहले, देश 'ब' देख रहा है कि देश 'अ' की सैन्य शक्ति बढ़ रही है, जो उसके लिए बाहरी खतरा है.

› पहला विकल्प: देश 'ब' बिना लड़े ही देश 'अ' की सारी बात मान ले, यानी 'आत्मसमर्पण' कर दे. (पर कोई सरकार ऐसा नहीं करती).

› दूसरा विकल्प: देश 'ब' अपनी सैन्य शक्ति इतनी बढ़ाए या ऐसे संकेत दे जिससे देश 'अ' डर जाए और हमला करने से पहले सोचे. इसे 'अपरोध' (deterrence) कहते हैं, यानी युद्ध को रोकना.

› तीसरा विकल्प: अगर देश 'अ' हमला कर ही देता है, तो देश 'ब' अपनी पूरी ताकत से खुद का बचाव करे, दुश्मन को अपनी सीमा से खदेड़ दे, या उसे हरा दे. इसे 'रक्षा' (defense) कहते हैं, यानी युद्ध होने पर अपनी सुरक्षा करना.

उत्तर – देश 'ब' की सरकार के पास आत्मसमर्पण, अपरोध (हमले को रोकना), या रक्षा (हमले का जवाब देना/हराना) के विकल्प होंगे.

उदाहरण 3. मान लीजिए 'अ' नाम का एक देश है जिसके पड़ोसी देश 'ब' की सैन्य शक्ति तेज़ी से बढ़ रही है। 'अ' देश अपनी सुरक्षा के लिए शक्ति-संतुलन और गठबंधन के तहत क्या कदम उठाएगा?

› पहला कदम: 'अ' देश 'ब' की सैन्य ताकत, आर्थिक स्थिति और नई तकनीकियों पर लगातार नज़र रखेगा ताकि उसे 'ब' की बढ़ती शक्ति का अंदाज़ा रहे।

› दूसरा कदम: 'अ' देश अपनी सैन्य शक्ति बढ़ाने की कोशिश करेगा, साथ ही अपनी अर्थव्यवस्था को भी मज़बूत करेगा और नई तकनीकें विकसित करेगा ताकि 'ब' के बराबर या उससे बेहतर स्थिति में आ सके। इसे हम 'शक्ति-संतुलन' बनाए रखना कहेंगे।

› तीसरा कदम: 'अ' देश आसपास के दूसरे देशों 'स' और 'द' के साथ सैन्य गठबंधन बनाने की कोशिश करेगा। वह उन देशों से समझौता करेगा कि अगर 'ब' उन पर हमला करता है, तो वे सब मिलकर 'ब' का मुकाबला करेंगे। इस तरह, 'अ' देश अपनी अकेले की ताकत के बजाय एक बड़े समूह की ताकत से सुरक्षित महसूस करेगा।

› चौथा कदम: यह गठबंधन लिखित रूप में होगा और स्पष्ट रूप से बताएगा कि 'ब' देश से खतरा है और वे सब मिलकर उसका सामना कैसे करेंगे।

उत्तर – 'अ' देश शक्ति-संतुलन बनाए रखने के लिए अपनी सैन्य, आर्थिक और तकनीकी क्षमता बढ़ाएगा और 'ब' से संभावित खतरे से निपटने के लिए अन्य देशों के साथ एक औपचारिक सैन्य गठबंधन बनाएगा।

उदाहरण 4. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नव-स्वतंत्र देशों के सामने आंतरिक सुरक्षा की मुख्य चुनौतियाँ क्या थीं? स्पष्ट कीजिए।

› पहला, अलग राष्ट्र बनाने पर तुले अलगाववादी आंदोलन। ये देश के अंदर से ही देश को तोड़ने की कोशिश करते थे।

› दूसरा, पड़ोसी देशों का इन अलगाववादी आंदोलनों को समर्थन देना। इससे आंतरिक समस्या और बढ़ जाती थी।

› तीसरा, सीमा रेखा और भूक्षेत्र पर नियंत्रण को लेकर अपने ही पड़ोसी देशों से झगड़े होना, जिससे अस्थिरता बनी रहती थी।

› चौथा, नए-नए देश होने के कारण अंदरूनी व्यवस्थाएं अभी मज़बूत नहीं थीं, जिससे छोटे विवाद भी बड़े गृह-युद्ध में बदल सकते थे।

उत्तर – नव-स्वतंत्र देशों के सामने अलगाववादी आंदोलन, पड़ोसी देशों द्वारा उनका समर्थन, सीमा विवाद और अंदरूनी अस्थिरता जैसी चुनौतियाँ थीं।

उदाहरण 5. भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु हथियारों को लेकर शांति और सुरक्षा कैसे बढ़ाई जा सकती है, इन तीन तरीकों का उपयोग करके समझाओ।

› निरस्त्रीकरण: दोनों देश एक-दूसरे पर भरोसा करके यह समझौता कर सकते हैं कि वे अपने कुछ पुराने या कम इस्तेमाल होने वाले परमाणु हथियारों को नष्ट कर देंगे।

› अस्त्र-नियंत्रण: वे 'परमाणु अप्रसार संधि' (NPT) जैसी किसी संधि को मान सकते हैं या अपनी खुद की द्विपक्षीय संधि बना सकते हैं, जिसमें यह तय हो कि वे कितने और किस प्रकार के परमाणु हथियार बना सकते हैं, या उनका परीक्षण नहीं करेंगे।

› विश्वास बहाली: वे आपस में सैन्य अभ्यासों की जानकारी साझा कर सकते हैं, हॉटलाइन स्थापित कर सकते हैं ताकि

आपातकाल में तुरंत बात हो सके, और नियमित रूप से उच्च-स्तरीय वार्ताएं आयोजित करके एक-दूसरे के इरादों को समझने की कोशिश कर सकते हैं।

उत्तर – इन तीनों पारंपरिक तरीकों - निरस्त्रीकरण, अस्त्र-नियंत्रण और विश्वास बहाली - का उपयोग करके भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु हथियारों से जुड़े तनाव को कम किया जा सकता है और क्षेत्र में शांति व सुरक्षा को बढ़ावा दिया जा सकता है।

उदाहरण 6. मानवता की सुरक्षा के कोई दो मुख्य बिंदु लिखिए।

› पहला बिंदु: मानवता की सुरक्षा का प्राथमिक लक्ष्य व्यक्तियों की हिंसक खतरों (जैसे युद्ध, आतंकवाद) से रक्षा करना है।

› दूसरा बिंदु: इसके व्यापक अर्थ में अकाल, महामारी, प्राकृतिक आपदाओं, आर्थिक असमानता और मानवाधिकारों के उल्लंघन जैसे गैर-सैन्य खतरों से भी लोगों को बचाना शामिल है।

उत्तर – मानवता की सुरक्षा का लक्ष्य व्यक्तियों को हिंसक खतरों से बचाना है और इसके व्यापक अर्थ में अकाल, महामारी, प्राकृतिक आपदाओं व मानवाधिकार उल्लंघनों से भी सुरक्षा प्रदान करना है।

उदाहरण 7. मुंबई में ताज होटल पर 26/11 का हमला, आतंकवाद का एक गंभीर उदाहरण था। इसमें किस प्रकार के लोगों को निशाना बनाया गया और इसका उद्देश्य क्या था?

› पहचानो कि हमला कहाँ हुआ: मुंबई के सार्वजनिक और पर्यटन स्थलों पर, जैसे ताज होटल, सीएसटी स्टेशन।

› पहचानो कि किसने हमला किया: सशस्त्र आतंकवादियों ने।

› पहचानो कि किसे निशाना बनाया गया: मुख्य रूप से निहत्थे आम नागरिक (पर्यटक, स्थानीय लोग) और सुरक्षाकर्मी।

› समझो उद्देश्य: यह हमला बड़े पैमाने पर डर और अराजकता फैलाने के लिए किया गया था, ताकि भारत सरकार पर दबाव बनाया जा सके और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि को नुकसान पहुँचाया जा सके।

उत्तर – मुंबई में ताज होटल पर 26/11 के हमले में आतंकवादियों ने जान-बूझकर आम नागरिकों, पर्यटकों और सार्वजनिक स्थानों को निशाना बनाया था। इसका मुख्य उद्देश्य भारत में बड़े पैमाने पर डर और अराजकता फैलाना, सरकार पर दबाव बनाना और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना था।

उदाहरण 8. अपारंपरिक सुरक्षा के तहत वैश्विक निर्धनता एक गंभीर खतरा क्यों है? उदाहरण देकर समझाएँ।

› वैश्विक निर्धनता का मतलब है, दुनिया के कुछ हिस्सों में बहुत ज़्यादा गरीबी।

› जब एक देश में बहुत ज़्यादा गरीबी होती है, तो लोगों को भरपेट खाना नहीं मिलता, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ नहीं मिलतीं।

› इससे लोगों में असंतोष बढ़ता है, अपराध बढ़ते हैं और कई बार लोग अपनी जान बचाने के लिए या बेहतर भविष्य की तलाश में दूसरे देशों में जाने को मजबूर हो जाते हैं।

› इस प्रवास के कारण दूसरे देशों पर भी दबाव पड़ता है, और कभी-कभी तो देशों के बीच तनाव भी बढ़ जाता है।

› उदाहरण के लिए, अफ्रीका के कुछ बहुत गरीब देशों में, जहां जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है और संसाधन कम हैं, वहां से लाखों लोग यूरोप जैसे अमीर देशों में जा रहे हैं। इससे यूरोप के देशों में नए सामाजिक और राजनीतिक मुद्दे खड़े होते हैं, जो उनकी सुरक्षा के लिए भी चुनौती बन जाते हैं।

उत्तर – वैश्विक निर्धनता सीधे तौर पर सामाजिक अस्थिरता, बड़े पैमाने पर प्रवास और अंततः अंतर्राष्ट्रीय तनाव को जन्म देती है, जो किसी भी देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन जाती है।

उदाहरण 9. मान लो, एक नए तरह का संक्रामक रोग (महामारी) अफ्रीका के किसी देश में फैलता है और तेज़ी से पूरी दुनिया में फैलने का खतरा है। 'सहयोगमूलक सुरक्षा' के तहत इससे कैसे निपटा जाएगा?

› सबसे पहले, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और प्रभावित देश मिलकर स्थिति का आकलन करेंगे।

› फिर, सभी देश मिलकर वैक्सीन और दवाओं के रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए पैसा लगाएंगे और जानकारी साझा करेंगे।

› जिन देशों में बीमारी फैल चुकी है, वहाँ की यात्रा पर अस्थायी प्रतिबंध लगेंगे और स्क्रीनिंग (जांच) बढ़ाई जाएगी।

› गरीब और कमज़ोर देशों को आर्थिक और चिकित्सीय सहायता दी जाएगी ताकि वे भी बीमारी से लड़ सकें।

› सभी देश मिलकर सूचनाओं का सही और तेज़ प्रसार करेंगे ताकि अफवाहें ना फैलें और लोग जागरूक रहें।

उत्तर – इस तरह, 'सहयोगमूलक सुरक्षा' से सामूहिक प्रयास करके महामारी को फैलने से रोका जा सकता है और सभी की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है।

उदाहरण 10. भारतीय सुरक्षा रणनीति का तीसरा मुख्य घटक क्या है, और यह क्यों महत्वपूर्ण है?

› पहला कदम: याद करें कि भारत की सुरक्षा नीति में चार मुख्य घटक कौन से हैं। (सैन्य क्षमता, अंतर्राष्ट्रीय कायदे, आंतरिक सुरक्षा, आर्थिक विकास।)

› दूसरा कदम: इन घटकों में से तीसरा घटक पहचानें। (आंतरिक सुरक्षा समस्याओं से निपटना।)

› तीसरा कदम: सोचें कि भारत जैसे बड़े और विविध देश के लिए यह घटक क्यों ज़रूरी है। (भारत में अलग-अलग राज्यों और समूहों के बीच अलगाववादी आंदोलन या नक्सलवाद जैसी समस्याएँ रही हैं।)

› चौथा कदम: समझाएँ कि इन समस्याओं से निपटने के लिए भारत क्या करता है। (लोकतांत्रिक तरीके से सबको अपनी बात कहने का मौका देता है, एकता बनाए रखने की कोशिश करता है।)

उत्तर – भारतीय सुरक्षा रणनीति का तीसरा मुख्य घटक 'देश की आंतरिक सुरक्षा समस्याओं से निपटना' है। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत एक विशाल और विविध देश है जहाँ नागालैंड, मिजोरम या कश्मीर जैसे क्षेत्रों में अलगाववादी आंदोलन या नक्सलवाद जैसी चुनौतियाँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारत अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था के ज़रिए सभी समुदायों को अपनी बात रखने और सत्ता में भागीदारी का मौका देता है, ताकि देश की एकता और अखंडता बनी रहे।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर 4 या 6 नंबर के दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों में पूछा जाता है. सरकार के तीनों विकल्पों को उदाहरण सहित विस्तार से समझाना बहुत ज़रूरी है.

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर 'पारंपरिक सुरक्षा के तत्वों' पर प्रश्न के रूप में आती है। शक्ति-संतुलन और गठबंधन को उदाहरणों के साथ समझाना महत्वपूर्ण है।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर सीधे सवाल आते हैं कि पारंपरिक सुरक्षा के विभिन्न तरीके क्या हैं, या NPT जैसी संधियों के बारे में पूछा जा सकता है। इन तीनों को उदाहरणों के साथ अच्छे से समझ लेना।

• आतंकवाद और मानवाधिकारों के उल्लंघन पर अक्सर सीधे प्रश्न आते हैं। दोनों की परिभाषा, उद्देश्य और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया पर खास ध्यान देना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर लंबा उत्तर लिखने को आता है, जिसमें आपको इन चारों घटकों को उदाहरण सहित समझाना होगा।

एक नज़र में रिवीज़न

› बाहरी सुरक्षा = सैन्य खतरा + संप्रभुता रक्षा + युद्ध विकल्प (अपरोध/रक्षा/आत्मसमर्पण)

› शक्ति-संतुलन: सैन्य, आर्थिक, तकनीकी ताकत; गठबंधन: सैन्य रक्षा हेतु देशों का समूह।

› निरस्त्रीकरण, अस्त्र-नियंत्रण, विश्वास बहाली - पारंपरिक सुरक्षा के सहयोगी तरीके।

› आतंकवाद: आम नागरिकों को निशाना बनाकर डर फैलाने वाले गैर-राज्यकर्ता समूह।

› भारत की सुरक्षा रणनीति: सैन्य शक्ति, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, आंतरिक स्थिरता, आर्थिक विकास।